

>

Title: The Minister of Home Affairs made a statement regarding bomb blast near Delhi High Court.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): Mr. Deputy Speaker, Sir, it is with profound sorrow and regret that I inform the House of a bomb blast that took place this morning in Delhi.

At about 10.14 a.m., a high intensity blast occurred between Gate No. 4 and Gate No.5 of the Delhi High Court. There is a Reception Centre between the two Gates where passes are issued. The bomb blast took place just outside the Reception Centre. It is suspected that the bomb was placed in a briefcase.

According to last reports, 9 people have died and 47 have been injured. Most of the injured have been removed to Dr. RML Hospital. Some have been removed to AIIMS and other nearby hospitals. Some of the injured have suffered serious injuries. A few others with minor injuries are being treated at the dispensary of the High Court.

The scene of the incident was cordoned off immediately. Ambulances reached the scene and removed the injured within 20 minutes.

A CFSL team is at the place of the incident. Teams from the NIA and NSG are also at the place of the incident. A post blast investigation team of the Delhi Police is also carrying out investigations.

Delhi is a target of terrorist groups. When Parliament is in Session and during certain other times of the year, Delhi is placed on high alert. Intelligence agencies constantly share intelligence inputs with Delhi Police. Intelligence pertaining to threats emanating from certain groups was shared with Delhi Police in July, 2011. At this stage, it is not possible to identify the Group that caused the bomb blast today.

In the last few years, several measures have been taken to strengthen Delhi Police. Despite the capacity that has been built and despite Delhi Police remaining on high alert, the tragic incident occurred today.

The objective of terrorist groups is to strike fear and to destabilize the country. We are clear in our mind that there is no cause that will justify terrorist acts. Government unequivocally condemns the terrorist attack that took place today. The investigation of the case will be entrusted to the NIA.

On behalf of the Government, I offer my sincere condolences to the families of those who lost their lives. I offer my sympathies to those who have been injured and I assure the House that we will extend the best medical treatment to the injured.

At this point of time, I appeal to the House and to the people of the country that we must remain resolute and united. We must not show any vacillation. We shall never be intimidated by terrorist groups. We are determined to track down the perpetrators of this horrific crime and bring them to justice.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): उपाध्यक्ष महोदय, राजधानी दिल्ली में संसद के इतनी निकट इस प्रकार की घटना हो जाए, निःसंदेह हम सब इसकी निन्दा करते हैं और अपेक्षा करते हैं कि सरकार ने सदन को जो आश्वासन दिया है कि वे शीघ्रतापूर्वक विभिन्न एजेंसियों का उपयोग करके अपराधियों को खोज निकालेंगे और समुचित कार्यवाही करेंगे, यह जरूर पूरी होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, आज स्वाभाविक रूप से हम सब के मन में बहुत दुःख है कि भारत की राजधानी में इस प्रकार की घटना फिर से हुई है और निश्चित रूप से विश्वभर के लिए यह महत्वपूर्ण बात है कि फिर से एक बार भारत की राजधानी में इस प्रकार का आक्रमण हुआ है। मैं नहीं जानता हूँ कि इसका कितनी मात्रा में इस बात से संबंध है, 9/11 के दस साल अभी पूरे होने वाले हैं, आने वाली 11 सितम्बर को उस घटना के दस साल पूरे होंगे। मैं नहीं जानता हूँ, लेकिन कई बार इसी प्रकार की सोच आतंकवादियों के इन गिरोहों में रहती है, यह हमारे लिए जरूर चिन्ता की बात है।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव होगा कि इस घटना को ध्यान में रख करके, जिन नौ लोगों की मृत्यु हुई है और हमने सुना है कि 47 लोग घायल हुए हैं, उनमें भी कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। उनके प्रति सहानुभूति और मन का शोक प्रकट करने के लिए तथा साथ-साथ शासन के इस संकल्प को, कि हम इन अपराधियों को खोज निकालेंगे, उन्हें दंडित करेंगे। उसमें सारा देश एकमत है, इस बात को प्रकट करने के लिए अगर आज हम सदन की कार्यवाही इसके बाद स्थगित करें तो उचित होगा।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, today a tragedy has taken place in the morning at 10.15. The Home Minister has just given a statement and he has assured the House that all steps will be taken to track down, to apprehend and to take action against the terrorists who are responsible for this dastardly action.

Within a period of four months, two incidents have taken place at the same place and Delhi has become a soft target of the terrorists. Today is not the time for criticism. Entire nation is united to fight against the terrorism and terrorist activities. Terrorists have no religion. उनका कोई धर्म नहीं है, कोई मजहब नहीं है, सो एकजुट होकर हमको इनका मुकाबला करना है। We have to face the challenge unitedly. Entire nation is united because they are out to destabilize our nation; they are out to divide our nation. So, there is a need for united action. We sincerely hope that every step will be taken to contain and curb the terrorist activities which are taking place in our country. We convey our heartfelt condolences to the families who have been killed. We also hope that those who have been injured, they will recover. There are some persons who are seriously injured and casualties may increase. So, we convey our condolences. We should take a pledge to fight against terrorism which is causing hardship. They are out to divide our country.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): उपाध्यक्ष महोदय, आज जो आतंकवादियों के द्वारा हमला हुआ है, वह पूरे देश के लिए और पूरी मानवता के लिए गम्भीर और बहुत दुःखद घटना है। अब यह समय नहीं है, बसुदेव आचार्य जी ने ठीक कहा है, हम सब लोग मिलकर, एक होकर आतंकवादियों का कैसे खात्मा किया जाये, इसका संकल्प लेना है और ले भी चुके हैं। आश्चर्य यह है कि अभी आडवाणी साहब ने बताया था कि "दस साल होने वाले हैं, यह हमारे लिए जरूर चिन्ता की बात है।" इसके बाद पार्लियामेंट के निकट हमला शुरू हो गया है। मुम्बई, जो हमारे देश की आर्थिक राजधानी है, उस पर दो बार हमला हो चुका है।

सरकार ने आश्वासन दिया है, सरकार पहले भी आश्वासन देती रही है, उसमें पूरी तरह देश की जनता का, पूरे देश के लोगों का, पूरे सदन का सहयोग है तो फिर क्या कमियां रह जाती हैं कि हम उन आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। हम फिर दोहराना चाहते हैं कि यह मामूली बात नहीं है। मैंने पहले ही सुबह कहा था कि आतंकवादी आते हैं, ठहरते हैं, देश के अन्दर आसानी से रहते हैं और घटना करके फिर चले भी जाते हैं तो इस पर गम्भीरता से सरकार को, गृह मंत्री जी को सोचना चाहिए और देश को बताना भी चाहिए कि कहां खामियां हैं, ताकि इसमें जहां हम लोग सहयोग कर सकते हैं, वह सहयोग करें।

उपाध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि जिनकी अभी तक मौत हो चुकी है या जिनकी हालत गंभीर हैं, गंभीर के मायने है, जिनकी हालत ज्यादा खराब है, यह मेरी कामना है कि किसी और व्यक्ति की मौत न हो। इस वक्त सरकार सदन में उनकी आर्थिक सहायता के लिए ज्यादा से ज्यादा मदद करने की जरूर घोषणा करें। यह उन परिवारों के लिए और उन दुखी लोगों के लिए सांत्वना होगी। कुछ न कुछ सरकार की तरफ से उनके लिए नौकरी की मदद, आर्थिक मदद जो भी कर सकते हों, वह करें। यह कर सकते हैं, यह करना होगा, यह करना चाहिए। इससे देशवासियों को कम से कम एक विश्वास होगा कि हमारी सरकार और जनप्रतिनिधि भी इस मामले में उनके दुःख में साथ हैं। अगर वे दुखी होंगे, उनके साथ कोई दुर्घटना होगी, तो हम उनके साथ रहेंगे, यह इस देश की जनता में विश्वास पैदा करना पड़ेगा।

महोदय, जब भी आतंकवादियों द्वारा दुर्घटना होती है या वे हत्याएं करते हैं, हमला करते हैं तो एक विशेष वर्ग को पूरा देश शक की दृष्टि से देखता है। यह गंभीर बात है। मैं सदन के अंदर कहना चाहता हूं कि यह बंद होना चाहिए। एक विशेष वर्ग को शक की दृष्टि से देखा जाता है, मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं, यह सबसे ज्यादा खतरनाक है। इसी तरह से एक विशेष वर्ग या विशेष धर्म को मानने वाले लोगों पर हर आतंकवादी घटना के बाद शक करना देश के लिए बहुत खतरनाक स्थिति है। ...(व्यवधान) ऐसा अक्सर हुआ है और हो रहा है। यह बात मैं ऐसे ही नहीं कह रहा हूं। ...(व्यवधान) इस पर बहस हो रही है। ...(व्यवधान) इसलिए हम चाहते हैं कि ये जरूर आश्चर्य हो। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त करें।

श्री शरद यादव।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष महोदय, आडवाणी जी ने, गृह मंत्री जी ने, मुलायम सिंह जी ने और वासुदेव आचार्य जी ने जो बातें कही हैं, उन्हें दोहराने की जरूरत नहीं है। जितने भी हमले हो रहे हैं, मैं अपनी पार्टी की तरफ से उनकी घोर निन्दा करता हूं। गृह मंत्री जी ने ठीक कहा है कि सारी घटनाओं से हम लोग और यह देश किसी भी कीमत पर घुटने नहीं टेकेगा, मुकाबला करेगा। जिस दिन से देश आजाद हुआ उस दिन से हम ऐसी सब चीजों का मुकाबला करने का काम करते आये हैं। मैं अंत में सिर्फ यही निवेदन करूंगा कि आज एक किलोमीटर दूर यह घटना हुई है और सारी सावधानी के बाद भी घटना हुई। गृह मंत्री जी, इस सदन में बहुत अनुभवी लोग हैं। कभी-कभी आपको उन्हें जरूर बुला लेना चाहिए। बहुत सी चीजें आपको बतायी जा सकती हैं कि इसमें ये यरता कैसे निकलेगा। एक ही बात कहता हूं कि डस्टबिन में बहुत बम निकले, असम में भी निकले। ये सफाई वाले लोग हमारी मां के जैसा काम करते हैं, मां, मां इसीलिए कहलाती है क्योंकि बचपन में वह हमारे लिए यही काम और सफाई करती है। रेल पर जो हमले होते हैं, वहां जो वैडर्स हैं और कुली हैं, ये असली लोग हैं, जो आपको खबर दे सकते हैं। इसी तरह से समुद्र में बहुत से लोग काम कर रहे हैं। आपकी पुलिस निगरानी कर रही है, मैं उसकी आलोचना नहीं करता हूं। कई बार कोई उसे सूटकेस में ले जा रहा है तो आदमी क्या करेगा, लेकिन जो जनता है, समाज है, उससे हमारा इंटरैक्शन इस मौके पर जरूर होना चाहिए। पूरे समुद्र में लाखों लोग हैं, जो यह खबर दे सकते थे कि कैसे-कैसे ये लोग आये हैं?

आप किसी तरह का भी कदम उठाएं। हम आप के सहयोग में खड़े हैं और यह देश भी खड़ा है। लेकिन इस सदन में कई ऐसे अनुभवी लोग हैं जो जमीन से समझ रखते हैं। ऐसे लोगों से कभी आप की बात होगी तो यही कहेंगे कि हम आप की बहुत मदद कर सकते हैं। आडवाणी जी बहुत वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने इतने वर्ष यहां बिताए हैं। सरकार से कोई हिस्सेदारी नहीं मांग रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया संक्षेप कीजिए।

श्री शरद यादव : यह चुनौती है। मैं माफी चाहता हूँ। इसमें सब लोगों की जो राय है और एक बात और होनी चाहिए कि अकेले आप की तरफ से संवेदना नहीं बल्कि पूरी सदन से संवेदना जाए। यह हम लोगों की मंशा है। आप सदन में इस घटना की भर्त्सना कीजिए और संकल्प दीजिए कि हम लोग इस के सामने देश की लड़ाई को रोकने वाले नहीं हैं, थमने वाले नहीं हैं, इससे मुकाबला होगा। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय : सदन की भावना को देखते हुए मैं सदन की कार्यवाही कल दिनांक 8 सितम्बर, 2011, 11.00 बजे तक स्थगित करता हूँ।

12.56 hrs.

*The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock
on Thursday, September 8, 2011/Bhadra 16, 1933 (Saka).*

* Due to continuous interruptions in the House, starred questions could not be taken up for oral answers. Therefore these starred questions were treated as unstarred questions.